पुस्तकालय

2656 (1)
15/4/08

असंशोधित

1 APR 2008

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग 2–कार्यवाही–प्रश्नोत्तर रहित)

प्रतिवेदन शाखा
वै०स०प्रे०सं० 785 तिथि 15-4-08

क्रम सं०- १२ (श्री भोला सिंह, स०वि०स०) 51.

श्री भोला सिंह : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि -

"यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत भगवानपुर प्रखंड के रसलपुर पुरानी घाट से दामोदरपुर में बलान नदी में मुख्यमंत्री सेतु योजना से एक पुल का निर्माण करावें ।"

श्री नन्द किशोर यादव, मंत्री : महोदय, मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना के तहत पुलों के चयन के लिए जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है जिसके अध्यक्ष माननीय प्रभारी मंत्री और माननीय सदस्य भी उसके मेम्बर हैं । जिला-स्तरीय संचालन समिति द्वारा जिन स्थानों पर पुलों के निर्माण के लिये अनुशंसा की जाती है, वहाँ हम पुल निर्माण की दिशा में अग्रेतर कार्रवाई करते हैं । मैं माननीय सदस्य से अनुरोध करूँगा कि जिला-स्तर के संचालन समिति की बैठक में इस स्थल के पुल के चयन के बारे में विचार करके अनुशंसा भेजवा दें । सरकार अपनी ओर से संबंधित जिलाधिकारी को अगली बैठक में इस स्थान पर भी पुल बनाने का विचार करने का आग्रह के साथ पत्र उनको भेजेगी ।

इसलिये मैं माननीय सदस्य से अनुरोध करता हूँ कि अपना प्रस्ताव वापस ले लें।

श्री भोला सिंह : सभापति महोदय, मैं जानता था कि माननीय मंत्री का क्या जवाब होगा । फिर भी, आसन ने महसूस किया होगा कि उनका यह जवाब सुनने के लिए मुझे यह प्रस्ताव करना पड़ा । आखिर जो मेरी उम्र हो गई है उसको ध्यान में रखते हुये और अपनी उम्र का भी ध्यान करते हुये, अपनी उम्र का भी ख्याल करते हुये मैंने इस प्रस्ताव को रखा है। महोदय, यह राज्य का सार्वभौम सदन है और इस सदन में हमने इसे लाया है ।

....क्रमशः....

श्री भोला सिंह : (क्रमशः) हम चाहते हैं कि माननीय मंत्री जी अपनी अनुशंसा करते हुए चूँकि आपकी अनुशंसा होगी, सदन की अनुशंसा होगी तो जिला संचालन समिति में भी इसको बल प्राप्त होगा, इसको शक्ति प्राप्त होगी और तब वह पॉयलोटिंग में यह बेचारा पुल निकल सकेगा । इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से कहता हूँ कि सब जगह आप उदार हैं, मेरे साथ ही इतना बेरहम क्यों हैं ?

श्री नन्दकिशोर यादव,मंत्री : महोदय, मैंने पहले कहा है कि जिलाधिकारी,बेगूसराय को इस संबंध में लिखा जा रहा है । मैं माननीय भोला बाबू को इतना आश्वासन जरूर दे सकता हूँ कि जिला के समिति द्वारा चयनित होने पर सर्वोच्च प्राथमिकता देकर इस पुल का निर्माण कराऊँगा । इसलिए मैं माननीय सदस्य से अनुरोध करता हूँ कि वे अपना प्रस्ताव वापस ले लें ।

श्री भोला सिंह : महोदय, मैं बार-बार इस पुल को जलील नहीं करना चाहता हूँ । चूँकि मैंने तर्क दिया और इसपर इन्होंने तर्क दे दिया, अब मैं फिर इसपर तर्क दूं, उम्र का इनको कोई ख्याल नहीं है । बूढ़े आदमी को कौन ख्याल करता है, जवानी तो ख्याल करती नहीं, बुढ़ापा भी ख्याल नहीं करता । सभापति महोदय, मैं जानता था कि यही जवाब आयेगा, फिर भी मैंने इसको किया । माननीय मंत्री ने जितना स्नेह दिया, वह काफी है, मैं इसको वापस लेता हूँ ।

सभापति(श्री हरिनारायण सिंह) : सदन की सहमति से माननीय सदस्य श्री भोला सिंह का प्रस्ताव वापस हुआ ।

क्रम सं०-१३ (श्री इजहार अहमद,स०वि०स०)

श्री इजहार अहमद : सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि :-

" यह सभा राज्य सरकार से अभिस्ताव करती है कि वह दरभंगा जिला के बिरौल प्रखण्ड के फरदा ग्राम से बगरासी, तेनुआ, कहुआ, कोठराव, मनसरा बरगाँव पल्लवा आ०ई०ओ० पथ की मरम्मति करावें । "

सभापति महोदय, कई बार इस बात को मैंने सदन में भी इस बात को रखा है कि बहुत ही अहम पथ है, आर०ई०ओ० का पथ है, जो तीन प्रखण्डों को जोड़ता है- बिरौल, किरतपुर, उसके बाद घनश्यामपुर को जोड़ता है और इसके बगल में कुशेश्वर स्थान है और बाढ़ के बाद जो हालात हो गई है, एक कदम भी चलने लायक नहीं है, बाढ से बिल्कुल खराब हालत हो गई है । कई बार माननीय मंत्री जी ने कहा कि इसको हम वर्ल्ड बैंक से, हुडको से हम जाँच करवा रहे है, बनवा रहे हैं । लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि दो-सवा दो साल के बाद भी बड़ी जर्जर हालात हैं, चलने के लायक नहीं है, बहुत दुर्घटनायें हो रही हैं और कई बार वहां मौत हो गई है । किसी एक आदमी को साँप भी काट लेता है या किसी को बुखार भी लगता है तो ५-७ कि०मी० लाने में वह आदमी रास्ते में ही दम तोड़ देता है तो मैं चाहूँगा सभापति महोदय, आपके तरफ से कि इसकी जल्द से जल्द मरम्मति करायी जाय ।